

कबसे रही पुकार, श्याम मेरे आ जाना SSS
 सुन-सुन के शर्माई, गुजरियों के ताना SSS
 आ जाना-आ जाना, श्याम मेरे आ जाना SSS

कबसे रही-----

भूल गये काहे-मेरी खबरिया
 रो-रो निहारें SSS तेरी डगरिया
 आज बिसराना ना SSSSS
 आज बिसराना ना- सुन-सुन के-----
 आ जाना-आ जाना श्याम मेरे आ जाना---
 सुन-सुन के शर्माई--- कबसे रही-----

आवन कह गये- अजहूँ न आये
 नैना-मेरे नीर-भर लाये
 और तड़पाना ना SSSSS
 और तड़पाना ना- सुन-सुन के शर्माई---
 आ जाना-आ जाना श्याम मेरे आ जाना---
 सुन-सुन के----- कबसे रही-----

दिन नहीं चैन रैन नहीं निंदिया
 देवें ताना मोहे सास ननंदिया
 बनाया तूने दीवाना sssss
 बनाया तूने दीवाना - सुन-सुन के----
 आ जाना- आ जाना श्याम मेरे आ जाना--
 सुन- सुन के ----- कबसे रही ----

राज काज की खूब पड़ी है
 आज "श्री बाबा श्री" यहाँ, मौत खड़ी है
 दे-दूंगी- तुझे हरजाना sssss
 दे-दूंगी- तुझे हरजाना ssss सुन-सुन----
 आ जाना- आ जाना श्याम मेरे आ जाना--
 सुन-सुन के शर्माई--- कबसे रही ----